लॉकडाउन में पड़ोसन भाभी की चुदाई

“हॉट देसी भाबी सेक्स कहानी मेरे पड़ोस में रहने वाली शादीशुदा महिला की चूत चुदाई की है. लॉकडाउन के दौरान मैंने भाभी की चूत कैसे मारी ? पढ़ कर मजा लें. …”

Story By: सूर्या (surya)
Posted: Sunday, March 21st, 2021
Categories: Sex Kahani
Online version: लॉकडाउन में पड़ोसन भाभी की चुदाई

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

लॉकडाउन में पड़ोसन भाभी की चुदाई

हॉट देसी भाबी सेक्स कहानी मेरे पड़ोस में रहने वाली शादीशुदा महिला की चूत चुदाई की है. लॉकडाउन के दौरान मैंने भाभी की चूत कैसे मारी ? पढ़ कर मजा लें.

हैलो मेरी प्यारी सी भाभियो और सेक्स के दीवानो, मेरा नाम नवीन है. मैं दिल्ली में रहता हूँ. ये सेक्स कहानी मेरी पड़ोसन के साथ चुदाई की कहानी है.

मेरी हॉट देसी भाबी सेक्स कहानी में किसी तरह की काल्पनिक भावनाओं का समावेश नहीं है. ये एक सेक्स की प्यास बुझाने की वास्तविक कहानी है.

ये कहानी आज से दो साल पहले शुरू हुई थी. मेरा बिजनेस में बहुत बड़ा नुकसान हुआ था जिसके चलते मेरी जिंदगी में बहुत बदलाव आ गया था.
इस बदलाव ने मुझे इस सेक्स कहानी की नायिका तक पहुंचा दिया.

जब मैंने उसको पहली बार देखा, तो मेरा दिल ज़ोर ज़ोर से धड़कने लगा था. झीनी सी साड़ी में लिपटी हुई दिल को धड़कनें बढ़ाने वाली इस नायिका से मैं पहली बार रूबरू हुआ था.

कहानी की नायिका का नाम नुपूर था. नूपुर देखने में भोजपुरी मोनालिसा की तरह 34-30-36 के साइज़ की सेक्स की मूरत की तरह थी.

जब पहली बार मैंने उसको अपनी बिल्डिंग की छत पर देखा था, तो वो कपड़े धो रही थी. उस समय उसकी साड़ी घुटनों तक थी. मैंने उसके अर्धनग्न जिस्म को देखा, तो बस देखता रह गया.

भाभी ने मेरी तरफ देखा और फिर अचानक से स्माइल करके पूछा- आपको देखा नहीं कभी … क्या आप इस बिल्डिंग में नए आए हो ?
मैंने हां में जवाब दिया- जी, मैं अभी नया नया ही शिफ्ट हुआ हूँ. सेकंड फ्लोर पर रहता हूँ.

इस तरह से मेरा भाभी से परिचय हुआ.

अब मैं नीचे अपने फ्लोर पर आ गया.

उस दिन के बाद भाभी जी कोई ज़्यादा बात नहीं हुई. मैं छत पर जाता, तो वो मुझे देखने के लिए छत पर आ जातीं और स्माइल करके अपने रूम में चली जातीं.
शायद उनको मेरे आने की आहट मिल जाती थी.

एक दिन मैं ऑफिस से जल्दी घर आ गया.

मैंने देखा कि पड़ोसन भाभी मेरी मां के पास आई थीं, उनके घर में लाइट नहीं आ रही थी, तो वो बोल रही थीं- लाइट देखने के लिए आप अपने बेटे को मेरे साथ रूम पर भेज दो. मेरे पति घर पर नहीं है और मेरे बच्चे परेशान हैं.

मां ने मुझे बुलाया और कहा- जाकर लाइट देख लो … क्या प्राब्लम है.
मैंने कहा- ओके.

पड़ोसन भाभी मेरे आगे और मैं उनके पीछे चलने लगा.

क्या मस्त पिछवाड़ा था भाभी का … आह मेरा मन तो उस पिछवाड़े को देख कर ही डोल गया.
मेरे मन में आया कि सीढ़ी पर भाभी को पकड़ लूं. लेकिन मैंने खुद पर कंट्रोल किया. ज़्यादा जल्दबाज़ी में सब गड़बड़ हो सकती थी.

फिर मैं भाभी के रूम पर पहुंच गया. मैंने देखा लाइट तो ठीक है, जानबूझ कर बंद की हुई है. मैंने मेनबोर्ड को ऑन किया तो लाइट आ गई.

मैंने भाभी की तरफ देखा तो वो कंटीली मुस्कान देकर हंसने लगीं.

मैंने उस दिन तो भाभी को कुछ नहीं कहा, मगर जब नीचे आ रहा था तो हॉट देसी भाबी लगातार स्माइल कर रही थीं.

इसी तरह भाभी कुछ ना कुछ काम के बहाने मेरे फ्लोर पर आने लगी थीं. कभी टीवी नहीं चल रहा, कभी मोबाइल में प्राब्लम है, कभी कूलर नहीं चल रहा है. मतलब भाभी मुझे अपने कमरे में बुलाने के बहाने करती रहती थीं.

मुझे इससे कुछ फील हुआ कि भाभी को चोदने के लिए जितनी आग मेरे अन्दर लगी है, भाभी के अन्दर भाभी उतनी आग लगी है. लेकिन वो पहल करने से डर रही थीं.
मैंने सोचा कि मुझे ही पहल करनी पड़ेगी.

एक दिन मुझे ग्यारह बजे रात का समय था. मुझे नींद नहीं आ रही थी तो मैं छत पर टहलने चला गया.

मैंने देखा कि भाभी भी छत पर टहल रही थीं.
वो मुझे देख कर हमेशा की तरह मुस्कुरा दीं और बोलीं- क्या हुआ आज इस वक्त ?
मैंने कहा- हां नींद नहीं आ रही थी.

वो हम्म कह कर मुझे देखने लगीं.
मैंने पूछा- पीने का पानी मिलेगा ?

वो अपने कमरे से पानी लेकर आ गईं.

हमारी बातचीत शुरू हुई, तो मैंने पूछा- आप कैसी हो ?
भाभी ने बताया- आजकल सर में दर्द काफ़ी रहता है. दवा ली है, लेकिन सरदर्द बंद ही नहीं हो रहा है.
मैंने कहा- मेडिसिन दिखाओ.

वो मेडिसिन लेने के लिए कमरे में जाने लगीं, उस दिन भाभी के पति की नाइट शिफ्ट थी और बच्चे सो गए थे.

मैंने सोचा कि आज पहल करने का मौका है.

बस में भाभी के पीछे चल दिया. आज मेरे इरादे भाभी को लेकर बदल गए थे. मैंने मेडिसिन चैक की, तो वो डिप्रेशन की मेडिसिन थी.

मैंने कहा- ये मेडिसिन तो ठीक नहीं है. आप सच बात बताओ कि आपको प्राब्लम क्या है ?
वो मेरी तरफ गुमसुम होकर देखने लगीं.

मैंने कहा- आपकी सेक्स लाइफ कैसी चल रही है ?
भाभी ने आंखें नीचे कर लीं और नज़रें चुराने लगीं.

मैंने जब ज्यादा जोर देकर पूछा, तब भी भाभी जी ने ज्यादा कुछ नहीं कहा.

बस भाभी इतना ही कहा- इनसे कुछ होता ही नहीं है.

मैंने उनका हाथ अपने हाथ में लिया, तो भाभी सहम कर अपना हाथ छुड़ाने लगीं.
उन्होंने कहा- ये ठीक नहीं है.
मैंने उनका हाथ छोड़ दिया.

फिर हम दोनों कमरे से बाहर आ गए.

मैंने पूछा- मुझसे कोई प्राब्लम है ?
भाभी बोलीं- नहीं.

मैंने- फिर हाथ क्यों छुड़ाया ?
भाभी बोलीं- टाइम आने पर बता दूंगी.

कुछ देर रुक कर मैं नीचे आ गया.

फिर मैंने छत पर जाना बंद कर दिया और अगर छत पर जाता, तो भाभी से बात नहीं करता.

शायद भाभी मुझसे इसी बात को लेकर नाराज़ रहने लगीं.

इस बात को छह महीने बीत गए.

दुर्भाग्य से उसका पति कैंसर का शिकार हो गया और उसको अस्पताल में एड्मिट करना पड़ा.

नुपूर भाभी मेरे पास मदद के लिए आईं, तो मैं और नुपूर भाभी उनके पति को अस्पताल लेकर गए.
पहली बार पूरी रात हम एक दूसरे के साथ रहे थे. पति को अड्मिट करने के बाद वो मेरे गले लग कर रोने लगीं.

मैंने भाभी को समझाया- सब ठीक हो जाएगा.
इस तरह नुपूर भाभी पहली बार मेरी बांहों में आई थीं.

एक महीने तक उसका पति अस्पताल में रहा. मैंने पैसे और जैसे भी … भाभी की मदद की. इससे उसका पति मेरा फ्रेंड बन गया और अब धीरे धीरे ठीक भाभी होने लगा था.

उसके बाद जब पति घर आया तो उसकी जॉब भी छूट गयी थी.

नुपूर भाभी ने मुझसे बोला- इनकी कहीं जॉब लगवा दो. ‘नाइट शिफ्ट’ में लगवा दो, तो ठीक रहेगा.

पहली बार भाभी ने मुझे नाइट शिफ्ट को ज़ोर देकर कहा और स्माइल की.

मैं समझ गया था कि अब कुछ हो सकता है. लेकिन एक दूसरे की जिस्म की आग ने अब प्यार का रूप ले लिया था.
नुपूर भाभी मेरे घर अब कुछ ज़्यादा ही आने लगी थीं. भाभी मेरी मां के सामने बोलतीं कि आपका बेटा बहुत अच्छा है.

एक दिन मेरे घर के सभी लोग आगरा गए, तो मैं घर पर अकेला रह गया था. मुझे ऑफिस की ज़रूरी मीटिंग में जाना था.

नुपूर भाभी मेरे पास आईं और पूछा कि सभी कहां गए हैं ?
मैंने कहा- आगरा गए हैं.

भाभी ने मुझसे पूछा- मैं खाना बना दूँ ?
मैंने कहा- आप परेशान ना हो … मुझे बनाना आता है.
मेरी आंखों में आंखें डाल कर भाभी ने पूछा- सच में आता है ?

आज भाभी की आंखों शरारत कुछ अलग ही थी. मेरे भाभी इरादे कुछ ठीक नहीं थे.
मैंने मन में कहा कि आज भाभी के साथ चान्स लेना पड़ेगा.

मैं किचन में आ गया. भाभी मेरे रूम में थीं. मैंने किचन से देखा तो भाभी अपनी चूत पर हाथ फिरा रही थी और मेरी तरफ देख रही थीं.

कसम से क्या अदा थी उनकी … मुझसे तो कंट्रोल करना मुश्किल हो गया था.

मैं रूम में आया और भाभी की कमर पकड़ कर अपनी तरफ खींचा. बिना देर किए हुए मैंने भाभी के होंठों पर अपने होंठों को रख दिया और रूम को बंद कर दिया.

भाभी आज काफ़ी उत्तेजित होकर मेरे होंठों को ऐसे चूस रही थीं, जैसे न जाने कितने दिन से सेक्स के लिए प्यासी हों.

मैंने भाभी देर नहीं की, भाभी को बेड पर लिटा लिया और नीचे से सिर तक किस करना शुरू कर दिया. भाभी के मम्मों को भी दबाने लगा.

नुपूर भाभी का चेहरा लाल हो गया था.

फिर मैंने उनके कपड़े निकालने शुरू कर दिए. उनके चूचे काली ब्रा में बहुत ही मस्त लग रहे थे.

मैंने भाभी के मम्मों को चूसना शुरू कर दिया.
भाभी भी ‘आअह हहह अहहह … ’ की आवाज़ निकालने लगीं.

तभी किसी ने मेरा गेट नॉक किया. उनका बेटा आया था.
मैंने और भाभी ने जल्दी से कपड़े ठीक किए. मैंने भाभी से कहा कि आप बेटे को बोलना कि अंकल की खाना बनाने में हेल्प कर रही थी.

‘वो अगर ज़्यादा पूछे तो ?’
तभी भाभी के बेटे ने आवाज देते हुए कहा- मम्मी आपको पापा बुला रहे हैं.
भाभी ने कहा- पापा को बोलना, मैं भैया का खाना बना कर अभी आ रही हूँ.

उनका बेटा चला गया.

हॉट देसी भाबी ने मुझे देखकर स्माइल की और कहा- सच में आज हेल्प करनी पड़ेगी भैया की.

ये कह कर भाभी ने जल्दी से मेरे होंठों पर किस किया और कहा- आज नाइट में मैं आपको सरप्राइज दूंगी.

फिर भाभी जल्दी से मेरे लिए खाना बना कर चली गईं.

आज मेरे लंड में इस तरह आग लग गई थी कि मुठ मारे बिना शांत ही नहीं हो पाई.

आज मेरा मन ऑफिस में नहीं लगा, मैं जल्दी ही घर आ गया और खाना बना कर छत की तरफ चल दिया.

तभी पता चला कि आज भाभी के यहां पर गेस्ट आए हुए हैं.
एक बार फिर मन को समझाना पड़ा और मैं नीचे आ गया.

मैं टीवी देख रहा था कि भाभी मेरे रूम में आ गईं.
भाभी मुझे सॉरी बोलने लगीं- आज प्लान किया था … लेकिन कुछ नहीं हो पाएगा.
मैंने कहा- कोई बात नहीं.

उन्होंने मुझे होंठों पर किस किया और अपने रूम में चली गईं.
मैं टीवी देखकर सो गया.

कुछ दिन ऐसे बीते कि भाभी के साथ सेक्स हो ही नहीं पाया. गांडू सी ज़िंदगी चल रही थी, आग जल नहीं पाती थी और शांत हो जाती थी.

लेकिन कहते हैं न कि सब्र का फल मीठा होता है, वही मेरे साथ हुआ.

पूरे देश में लॉकडाउन लगा तो मेरे लंड के नसीब भाभी जाग गए.

उन्नीस मार्च 2020 को भगवान ने मेरे लिए कुछ प्लान कर रखा था.

उस दिन मैं ऑफिस से जल्दी घर जाने के लिए निकला क्योंकि मुझे आगरा जाना था फैमिली के साथ. लेकिन में काफ़ी लेट होने वाला था क्योंकि आज साला रोड पर ट्रैफिक कुछ ज्यादा ही था.

मैंने मां को कॉल करके कहा- आप लोग निकल जाओ, मैं दो दिन बाद आ जाऊंगा.

मां और बाकी के सब लोग चले गए. मैं ग्यारह बजे रात में घर पहुंचा. मैं खाना बाहर से ही लेकर आया था.

मैंने दो पैग लगाए और डिनर किया.
फिर टीवी देखा, तो पता चला संडे को जनता कर्फ्यू लगने वाला है.

मैंने ऑफिस की सारी प्लानिंग की और सो गया.

संडे का लॉकडाउन वाला दिन था. घर पर भाभी कोई नहीं था.

आज पड़ोसन भाभी भी बन ठन कर मेरे रूम पर आईं. मैं बेड पर लेटा था.
भाभी ने मुझे देखकर स्माइल की और पूछा- गैस वाले को कॉल करके गैस मंगा लो.

भाभी ने अपनी चूत पर हाथ रखते हुए इस अदा से कहा कि मेरे छक्के छूट गए.
मैं मोबाइल में ब्लू फिल्म देख रहा था, तो मैं भी मूड में था.

मैंने भी अपने लंड पर हाथ रखते हुए कहा- करता हूँ कॉल.
भाभी हंस दीं और बिस्तर पर आ गईं.

मैंने उनका हाथ पकड़ा और खींच कर भाभी को अपनी गोद में बिठा लिया.

मैंने भाभी को ब्लू फिल्म की एक झलक दिखा दी. नीचे मेरा लंड पूरा तन गया था और भाभी की चूत में जाने के लिए बेताब था.

भाभी मेरे इरादे समझ गयी थीं.

मैंने उनकी गर्दन पर किस लिया तो वो बहकने लगीं और मुझे दूर हटते हुए बोलीं- अभी जरा सब्र कर लो मेरे राजा … आज तो कोई नहीं आने वाला है. आज मैं तुमको अपनी जन्नत की सैर करा ही दूंगी.

मैंने कहा- आज आपके पति घर पर ही हैं, तो कैसे प्लान बनेगा ?
भाभी ने कहा- वो सब मुझ पर छोड़ दो. मुझसे भी अब सब्र नहीं होता, मैं भी आग में जल रही हूँ. जो तुमने मेरे अन्दर लगा रखी है. अभी तुम आराम करो … आज रात मैं तुमसे बहुत मेहनत कराने वाली हूँ. मैं कॉल करूंगी रात में, तब आ जाना.

ऐसा बोलकर वो गांड मटकाते हुए चली गईं.

मैं ब्रेकफास्ट करके लंच रेडी करने लगा और सारा काम खत्म करके रेस्ट करने लगा.
क्योंकि आज जनता कर्फ्यू लगा था.
मेरे दिमाग़ में आज पड़ोसन भाभी की चुदाई चल रही थी. आज वो समय आने वाला था, जिसका मैं काफ़ी टाइम से इंतज़ार कर रहा था.

ये सोचते हुए कब मैं गहरी नींद में सो गया … पता ही नहीं चला.
पांच बजे मेरी आंख खुली. लोग कॉलोनी में थाली बजा रहे थे. मैं भाभी छत पर चल दिया, पड़ोसन भाभी छत पर थाली बजा रही थीं और मेरी तरफ देख कर स्माइल कर रही थीं.
मैंने भाभी सोचा अभी थाली बजा लेता हूँ. आज रात में कुछ और बजाने वाला हूँ.

मैं नीचे आ गया और टीवी पर न्यूज़ देखने लगा. अब साढ़े दस का समय हो गया था.

भाभी का कॉल आया, वो बोलीं- पति सो गए हैं, छत पर आ जाओ.
मैंने कहा- छत पर कैसे करेंगे … कोई प्राब्लम हुई … मतलब आपके पति जाग गए तो क्या होगा ?
उन्होंने कहा- मैंने पति को खाने में नींद को गोली मिला कर दी है. बच्चे रात में जागते नहीं हैं.

कहते हैं न कि जब चूत में आग लगी हो … तो वो कुछ भी कर जाती है. आज मेरी पड़ोसन भाभी की चुत भी यही कर गुजरी थी.

मैं आज पूरी तरह रेडी होकर छत की तरफ़ चल दिया. उन्होंने अपने किचन में बिस्तर लगा कर पूरी चुदाई की प्लानिंग कर रखी थी.

मैंने भाभी को देखा, तो बोलीं- कैसी लगी मेरी सरप्राइज ?
मैंने कहा- जानेमन मस्त … तुम और प्लानिंग दोनों मस्त.
भाभी ने स्माइल करके कहा- अच्छा राजा जी … तो फिर आ जाओ, कुश्ती लड़ लेते हैं.

मैं और नुपूर किचन में बिस्तर पर आ गए. आज चूत भी रेडी थी और लंड भी … दोनों तरफ लगी हुई आग शोला बनकर धधक रही थी.

मैं भाभी के होंठों पर अपने होंठों को रख कर चुम्मी करने लगा और एक हाथ उनके मम्मों पर रख कर दबाने लगा. जिससे भाभी के अन्दर आग लगने लगी और वो बेकरार होने लगीं.

भाभी ऐसे किस कर रही थीं कि आज मुझे खा जाएंगी. उनकी आंखें सुर्ख लाल हो गयी थीं. आंखें मानो कह रही थीं कि राजा जी आज मत रूको, बरस जाओ मुझ पर … और मेरी प्यास शांत कर दो.

हम दोनों बीस मिनट तक स्मूच करते रहे. फिर मैंने भाभी के कपड़े निकालने शुरू कर दिए. भाभी ने मेरे कपड़े निकाल दिए.

बिना कपड़ों के भाभी के चूचे और भाभी मस्त लग रहे थे. मैंने उनके एक निप्पल को मुँह में लिया और चूसने लगा.

मेरी इस हरकत पर भाभी तड़प गईं और बोलने लगीं- आह राजा जी आराम से … अपना ही माल है.

उसके बाद मैंने भाभी की साड़ी और पेटीकोट खोल दिया. उनकी ब्लू रंग की पैंटी में कसी और फूली हुई चूत बहुत ही हसीन लग रही थी.

मैंने जैसे ही भाभी की चूत पर किस किया, वो एकदम से सिहर गईं और मेरे सिर को चूत पर दबाते हुए बोलीं- जान मेरी प्यास बुझा दो. मैं दो साल से इस चूत में तुम्हारा लंड लेने के लिए तड़प रही हूँ.

ये सुनते ही मैंने भाभी की पैंटी भी निकाल दी और लेट कर हॉट देसी भाबी की चिकनी चूत को चूसने लगा.

भाभी टांगें फैला कर ज़ोर ज़ोर से ‘आआ हहहा आह आआहा आआ अह्ह्ह्हा अ राजा जी … चूस लो आह.’ आवाजें निकालने लगीं.

कुछ ही देर में भाभी की चूत ने पानी छोड़ दिया. इसके बाद भाभी ने मेरे लंड को अपने मुँह में ले लिया और चूसने लगीं.

उनकी लंड चूसने की अदा भी कमाल की थी. मेरा लंड इतना टाइट हो गया था कि जैसे फट जाएगा.

मैंने कहा- जान अब मुझसे भी इंतज़ार नहीं हो रहा है.

भाभी ने चुत खोल दी और हाथ से सहलाते हुए मुझे आने का इशारा कर दिया.

मैं भाभी की चूत पर लंड रख करके अन्दर करने लगा. दो साल से चुदाई ना होने के कारण भाभी की चूत बहुत टाइट थी.
जैसे ही लंड का सुपारा अन्दर गया, भाभी चीखने वाली हो गई थीं.

मैंने झट से उनका मुँह बंद कर दिया वरना आवाज़ से पंगा हो सकता था. बच्चे जाग जाते तो लफड़ा हो जाता.

मैंने दो इंच लंड चुत के अन्दर कर दिया और भाभी के मुँह से हल्का सा हाथ हटा लिया.

भाभी की दर्द भरी आवाज़ निकली- आअहहा अहहा मर गई … बहुत बड़ा है तुम्हारा.
मैंने पूछा- क्या बहुत बड़ा है ?

भाभी बोलीं- मार दिया आह अभी कुछ मत पूछो … बस जल्दी जल्दी करो.
मैंने मसखरी करते हुए पूछा- क्या जल्दी जल्दी करूं.

ये कहते हुए मैंने एक ज़ोर का झटका दे मारा. इस झटके ने मेरे पूरे लंड को भाभी की चूत की गहराई में उतार दिया था.

वो बस ‘आआहह फट गई मेरी … आह मम्मी रे … मर गई.’ की आवाज़ निकालते हुए सिसकने लगीं.

मैं अपने लंड को धीरे धीरे आगे पीछे करने लगा. कुछ ही पलों में हॉट देसी भाबी भी मस्त होकर चुदाई का मज़ा लेने लगीं.

भाभी- आआ आआहह आअहहा कसम से तुम्हारा लंड बहुत बड़ा है और तुम बस मेरी चुदाई जल्दी जल्दी करते रहो. अब हिंदी में बात समझ में आ गई सांड जी.

मैं भाभी के मुँह से सांड जी सुनकर हंस दिया और उनके एक दूध को चूसते हुए उनकी चुत की धज्जियां उड़ाने लगा.

सच में मुझे भाभी की टाइट चूत की चुदाई में बड़ा मज़ा आ रहा था. इस मजे को मैं शब्दों में लिख ही नहीं सकता. जिसने टाईट चुत की चुदाई की है, वो ही जान सकता है कि ऐसी चुदाई का मजा क्या होता है.

अब भाभी मस्ती में चिल्लाने लगी थीं, क्योंकि वो अपने चरम को पाने वाली थीं.

भाभी- आह राजा जी ज़ोर से चोदो मुझे … आह आज मेरी चूत की तड़प मिटा दो … आह फाड़ दो चूत को … आज से इस चूत को मत तड़पाना … अब तो ये लंड के लिए हमेशा रेडी रहेगी. जब बोलोगे चुदाई के लिए आ जाना मेरे राजा … आह मैं गई.

बस हॉट देसी भाबी ज़ोर ज़ोर से झड़ने लगीं.

उनकी चुत के गर्म पानी से मैं भी पिघल गया और अब मैं भाभी अपनी चरम पर पहुंचने गया था.
मैं भाभी जी की चुत में ही झड़ गया.
चूत और लंड का पानी रिस कर बहने लगा.

भाभी ने मुझे कस कर हग कर लिया और हम दोनों एक दूसरे की बांहों में खो गए.

उसके बाद जो चुदाई का सिलसिला जारी हुआ, वो आज तक चल रहा है. लॉकडाउन में एक महीने में हमारी पचास बार चुदाई हो चुकी है. आगे भी जारी रहेगी. वो मेरे लंड की

चुदाई से खुश हैं. हमारी चुदाई की एक राउंड टाइमिंग में पच्चीस मिनट लगता है.

मैंने अपनी हॉट देसी भाबी सेक्स कहानी लिखने के लिए काफ़ी समय लिया क्योंकि ये मेरी पहली सेक्स कहानी थी. आप सभी को कैसी लगी, मुझे ईमेल जरूर करें, मुझे आपके मेल का इंतजार रहेगा.

surya.pmssilver@gmail.com

Other stories you may be interested in

भाभी की चुदाई की तड़प की स्टोरी- 3

अन्तर्वासना के माध्यम से मिली भाभी की चुदाई करने मैं उसके घर पहुंचा. उसे मैंने दो बार चोदा. लौटने से पहले मैं उसे पूर्ण संतुष्ट करना चाहता था. मैंने क्या किया ? नमस्कार दोस्तो, मैं आपका दोस्त विक्की शर्मा इंदौरी एक […]
Full Story >>>

जंगल में बड़ी चाची की चूत का मंगल

इस जंगल सेक्स कहानी में पढ़ें कि मैंने मेरी बड़ी चाची को जंगल में चोदा. बड़े चाचा से उसकी चूत की प्यास नहीं बुझी तो उसने मुझ जवान लौंडे को पटा लिया. हाय दोस्तो, मैं राहुल साहू गरियाबंद (छत्तीसगढ़) के […]
Full Story >>>

सेल गर्ल की कुंवारी चुत चुदाई

यह गर्लफ्रेंड Xxx कहानी एक लड़की की चुदाई की है जो एक दुकान में काम करती थी. उसने कैसे मुझसे दोस्ती की और मैंने कैसे उसे लंड खिलाया ? नमस्कार दोस्तो, मैं आपका दोस्त नीतीश सबसे पहले तो मैं आप सबका […]
Full Story >>>

बीवी की चुदाई पड़ोसी से होती देखने की ख्वाहिश- 3

मैंने अपनी बीवी को चुदवाया अपने दोस्त से अपने सामने. वो भी किसी गैर मर्द के लंड का मजा लेना चाहती थी. हम दोनों की फंतासी को कैसे अंजाम मिला ? सभी को मेरा नमस्कार. मैं अनिल आपके लिए अपनी स्टोरी […]
Full Story >>>

कालगर्ल को चोदा भोपाल के होटल में

कॉलेज गर्ल चुदाई कहानी में पढ़ें कि हम लड़के ग्रुप बना कर भोपाल घूमने गए. वहां हमने कालगर्ल बुक करके होटल में बुलायी. वो कॉलेज की लड़कियाँ थी. आप अन्तर्वासना के पाठक लोग के समक्ष पुनः एक हॉट और चूत […]
Full Story >>>